



अबआ ओआर हेमन्त सरकार

नियुक्ति नियमावली में अड़चनों को दूर कर नियुक्तियों की कड़ियां जोड़ती हेमन्त सरकार

JSSC द्वारा आयोजित विभिन्न परीक्षाओं में
चयनित 327 अभ्यर्थियों एवं Re-counselling के उपरांत
चयनित 150 सहायक शिक्षकों को

**मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन
एवं मंत्रीगण सौंपेंगे नियुक्ति पत्र**

दिनांक: 27 सितम्बर, 2024 | समय: अपराह्न 12:00 बजे | स्थान: जैप-1 ऑडिटोरियम, डोरण्डा, रांची

युवाओं के सपने, हेमन्त सरकार के हैं अपने

- कृषि पदाधिकारी समेत कई पदों पर राज्य गठन के बाद पहली बार नियुक्ति
- विभिन्न विभागों में हजारों युवाओं की हुई नियुक्ति
- गरीब-गुरुषा परिवार के युवा बने अफसर
- JPSCL अथवा JSSC द्वारा अनुरोधित विभिन्न पदों में 75% से 100% झारखण्ड के अभ्यर्थियों की नियुक्ति
- JPSCL में एकार्ड समय पर नियुक्ति
- निजी क्षेत्र में स्थानीय युवाओं को 75% आरक्षण के साथ 1 लाख से अधिक युवाओं को मिला ऑफर लेटर

विचार प्रवाह

रैगिंग एक ऐसा शब्द है जो हर साल कॉलेज और यूनिवर्सिटी में क्लास शुरू होते ही सुनाई देने लगता है

रैगिंग से छात्रों को मुक्ति क्या?

कुष्ठ रोज पहले हिमाचल प्रदेश को एक नियन्त्रित यन्त्रिती में नए छात्रों की रैगिंग का सामना करता है।

जूनापासदा न हड्डाणो का रामना का मानने आया। मीडिया रिपोर्ट बताती है कि रैमिंग से पीड़ित छात्रों को पुलिस को बताया कि आरोपियों ने उसे कमर में बुलाया और उसके बाद उसे निकालकर शराब पीने के लिए कहा, लेकिन उसने मना कर दिया। वास्तविकता में आरोपियों ने कमरा बंद कर सुबह तक उसके साथ मारपीट की। मामले पर तुरंत कार्रवाई करते हुए वहाँ की सरकार ने शिक्षा और विचार को इसकी जांच के भी आदेश दिए हैं और जल्द रिपोर्ट देने की कहा है। रैमिंग की समस्या उच्च शिक्षा जगत से जुड़ी अन्य विवेदनशील, सामाजिक समस्या है, जिससे उच्च शिक्षा जगत में पूर्ण रूप से मुक्त नहीं मिल पाया है। इस समय देश के उच्च शिक्षा संस्थानों में रैमिंग प्रतिवंध है। इसके बावजूद देश के अनेक उच्च शिक्षा संस्थान इससे मुक्त नहीं हो पाए हैं। आइए छात्रों की शिक्षा संस्थानों में रैमिंग को लेकर कुछ खास बातें बतानें। एक शिक्षण संस्थान के किसी अन्य छात्र के खिलाफ एक अप्रैल द्वारा किए गए किसी भी शारीरिक, मौखिक या मानसिक दुष्विवहार को रैमिंग कहते हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता तो नैनसा छात्र इसे करता है या किस छात्र के साथ यह दुष्विवहार की कथा जाता है। रैमिंग एक ऐसा शब्द है जो हर साल कॉलेज और विनियार्सिटी में क्लास शुरू होते ही सुनाई देने लगता है। नियार्थकों में हर साल लाखों स्टूडेंट्स को इसका सामना करना चाहिए। इसको हैंजिंग, फैंगिंग, बुलिंग, एलोजिंग और हॉर्स प्लोजिंग कहा जाता है। इसको दुनिया में अलग-अलग नामों से पहचानता है। रैमिंग को दुनिया में अलग-अलग नामों से भी जाना जाता है। रैमिंग कई कारणों से हो सकती है। रैमिंग से आपकी त्वचा, नस्ल, धर्म, जाति, प्रजाती या जाति, जेंडर वालीनक रुद्धान, रस्प-रंग, राष्ट्रीयता, क्षेत्रीय मूल, आपकी बोलनम स्थान, गृह स्थान या आर्थिक पृष्ठभूमि के कारण इसका जामिल है। रैमिंग कई अलग-अलग रूप ले सकती है। उदाहरण के लिए, यदि कोई छात्र किसी अन्य छात्र को उसके काम करने के लिए धौंस दिखाता है या किसी छात्र को कॉलेज समारोह जैसी अविरसिकी की गतिविधियों से बाहर रखा जाता है, तो उसे रैमिंग माना जाता है। मानसिक चोट, शारीरिक दुष्विवहार, भेदभाव और क्षणिक गतिविधि में व्यवधान आदि सहित छात्रों के खिलाफ रैमिंग के विभिन्न रूपों को कानून दंडित करता है। जहाँ तक रैमिंग के शुरू होने से जुड़े इतिहास का संबंध है, तो माना जाता

प्रतिबंधित करने वालों का लिहाज से विभिन्न राज्यों ने कानून पारित किए हैं, जो केवल उन संवर्धित राज्यों में ही लागू होते हैं। क्या सभी राज्यों में सरकारों ने ऐसे कानून बनाए हैं? यूनिवर्सिटी ग्राउंड्स कमीशन (यूजीसी) ने 16 महीनों में रैमिंग की 90 फीसदी शिकायतों के निपटारे का दावा किया है। यूजीसी के मुताबिक, एक जनवरी 2023 से 28 अप्रैल 2024 तक अलग-अलग यूनिवर्सिटी और उच्च शिक्षा संस्थानों से छात्रों की 1240 शिकायतें मिली हैं, जिनमें से 1113 (89.76 फीसदी) का निपटारा किया गया है। शिकायतों का निपटारा सिर्फ़ काफी नहीं होगा, कसूरवारों को सख्त सजा ज्यादा ज़रूरी होनी चाहिए। देश के सभी राज्यों में रैमिंग को लाकर जीरो टोलरेंस की नीति पर काम करना चाहिए। सभी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को, छात्रों के प्रवेश के समय रैमिंग रोकने के उपाय करने चाहिए। इनमें से कुछ हैं: एक सार्वजनिक घोषणा (किसी भी प्रारूप में-प्रिंट, ऑडियो, विजुअल आदि) करें कि कॉलेज में रैमिंग पूरी तरह से निषिद्ध है, और जो कोई भी छात्रों की रैमिंग करता पाया जाएगा, उसे कानून के तहत दंडित किया जाएगा। प्रवेश की विवरणिका में रैमिंग के बारे में जानकारी दें। उच्च शिक्षा संस्थानों में रैमिंग के खतरे को रोकने के लिए यूजीसी विनियमनों 2009 (यूजीसी गाइडलाइंस) को मुद्रित किया जाना चाहिए। साथ ही सभी महत्वपूर्ण पदाधिकारियों, जैसे कि प्रमुख, हॉस्टल वार्डन, आदि की जानकारी, साथ ही एंटी-रैमिंग हेलफलाइन का नंबर भी छपना चाहिए। आवेदन पत्र के साथ एक शपथ पत्र प्रदान करें। छात्रों और अधिभावकों के लिए ये हलफनामे में लिखा होना चाहिए कि छात्र और माता-पिता ने यूजीसी के दिशानिर्देशों को पढ़ा और समझा है, वे जानते हैं कि रैमिंग निषिद्ध है और आवेदक किसी भी तरह की रैमिंग में शामिल नहीं होगा, और ऐसे किसी भी व्यवहार में लिप्त पाए जाने पर वह सजा के लिए उत्तरदायी होगा या होगी। छात्रावास के लिए आवेदन करने पर आवेदक को अतिरिक्त शपथ पत्रों पर हस्ताक्षर करने होंगे। एक दस्तावेज प्रदान करें जो आवेदक के सामाजिक व्यवहार पर रिपोर्ट करता है। इस तरह के दस्तावेज में किसी भी लिखित कदाचार का उल्लेख किया जाएगा और कॉलेज, आवेदक पर नजर रख सकता है। यह दस्तावेज आवेदन पत्र के साथ नृत्य होना चाहिए।

डा. वरिद्ध भाटिया

रैगिंग की समस्या उच्च शिक्षा जगत से जुड़ी अत्यंत संवेदनशील, सामाजिक समस्या है, जिससे उच्च शिक्षा जगत पूर्ण रूप से मुक्त नहीं मिल पाई है। इस समय देश के उच्च शिक्षा संस्थानों में रैगिंग पर प्रतिबंध है। इसके बावजूद देश के अनेक उच्च शिक्षा संस्थान इससे मुक्त नहीं हो पाए हैं। आइए, छात्रों की शिक्षा संस्थानों में रैगिंग को लेकर कुछ खास बातों को जानें। एक शिक्षण संस्थान के किसी अन्य छात्र वे खिलाफ एक छात्र द्वारा किए गए किसी भी सारीरिक, भौतिक या मानसिक दुष्प्रवहार को रैगिंग कहते हैं।

କୃତ
କାବ୍ୟ

अपने जड़ाव के माध्यम से ही अपनी क्षमता का एहसास कर अर्थ इस संदर्भ में नैतिकता और नैतिक ढांचा है जो

१३

30

उपाध्याय न 20वा शताब्दा के मध्य एकात्म मानव दर्शन के दृष्टिकोण को भारत के सामाजिक आर्थिक विकास के लिए एक मार्गदर्शक दर्शन के रूप में व्यक्त किया। भारतीय सभ्यता के मूल्यों में निहित, एकात्म मानव दर्शन विकास के लिए एक समग्र और समावेश दृष्टिकोण के रूप में आध्यात्मिक कल्याण के साथ भौतिक प्राप्ति को संतुलित करने, सामाजिक जिम्मेदारियों के साथ व्यक्तिगत अधिकारों और परंपरा के साथ अधिनिकता पर जोर देता है। एकात्म मानव दर्शन व्यक्तियों के व्यापक विकास पर जोर देता है, न केवल भौतिक कल्याण के संदर्भ में बल्कि आध्यात्मिक, बौद्धिक और भावनात्मक विकास के संदर्भ में भी यह तक देता है कि अकेले आर्थिक समृद्धि का खोज अपर्याप्त है। सच्चे विकास को आत्मपूर्ति, नैतिकता और सांस्कृतिक निरंतरता की गहरी मानवीय आवश्यकता अपर विचार करना चाहिए। दीनदयाल उपाध्याय के अनुसार व्यक्ति और समाज के बीच एक अविभाज्य संबंध है। उन्होंने तक दिया कि एक व्यक्ति अलगाव में अपनी क्षमता का एहसास नहीं कर सकता है, बल्कि केवल समाज के साथ

सामाजिक, राजनीतिक आर आधिकारियों का मानवशक्ति करता है। दीनदयाल उपाध्याय का मानना था कि नीतियों नैतिक सिद्धांतों और सभी नागरिकों के कल्याण, न्याय समानता और अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रकार तथ्य को प्रतिबिंबित करना चाहिए। दीनदयाल ने स्वदेश आनन्दनिर्भरता के सिद्धांत और स्वदेशी संसाधनों और उद्योगों को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उहोंने तर्कदिया कि भारत विकास अपनी स्थानीय परंपराओं और संसाधनों में निर्भाव होना चाहिए, विदेशी वस्तुओं और प्रौद्योगिकियों पर निर्भर को कम करना और एक मजबूत धरेलू अर्थव्यवस्था बढ़ावा देना चाहिए। एकात्म मानवदर्शन एक ऐसे विकास मॉडल की वकालत करता है जो भारत की सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करते हुए आधुनिक वैज्ञानिक प्रगति तक पहुंचनी की नवाचारों को गले लगाता है। उपाध्याय सांस्कृतिक जड़ता को सामाजिक सामंजस्य और राष्ट्रीय एकीकरण के लिए महत्वपूर्ण माना, एक संतुलित दृष्टिकोण की वकालत की जो सांस्कृतिक विरासत को दृष्टि खो दिया और आधुनिकीकरण करता है। एकात्म मानवदर्शन पूँजीवाद त

५८

अलोग

जहां बालना जरूरा था

फृज कांजय, जमान दलाल गिरह
रंची बड़ा तालाब या कोई खास
मैदान की रिंगस्ट्री रातों रात करवाने का हर
स्तर पर जुगाड़ पुरुषों कर ले, तो वह बिकेगा
या नहीं? आग धां, तो इसमें कौन लोग हो
सकते हैं, जो हाथ डालेंगे। इसलिए कि यहां
किस नेचर की जमीनें किन हैं सियत और
प्रभाव वाले के हाथों बिकती रही हैं, इससे सब
वाकिफ है। सेना की जमीन बिकना एक
उदाहरण भी है। 31 जुलाई को झारखण्ड
हाईकोर्ट कोर्ट ने स्वतः संज्ञान से दर्ज एक
मामले में सुनवाई के तरीके हुए मौखिक तौर पर
पूछा है कि रांची में 71 तालाब कहां गए?
अदालत जल स्त्रोतों के संरक्षण और रांची के
डैमों से अतिक्रमण हटाने के मामले में
सुनवाई के साथ चिंता भी जाहिर कर रही है।
मीडिया रिपोर्टर्स के मुताबिक एक अन्य
मामले में कोर्ट ने यह भी पूछा है कि हरमूनदी
के किनारे से अतिक्रमण हटाने के मामले में
अब तक क्या करवाई की गई है। नगर निगम
और सरकारी मुलाजिम इस मामले में फाइलों
पर तमाम जलबोध पारते रहें, लेकिन उन्हें पता
है कि तालाब कहां गए। और रांची के पुराने
लोग भी जानते हैं कि तालाब कहां गए। कैसे
गए। अब वे तालाब किस रूप में हैं। रांची को
ये भी पता है कि किस कदर और तेजी से
सुनियोजित सांठगांठ ने शहर को कंक्रीट के
जाल में, यूं कहें अंधाधुंध अपार्टमेंट और ऊंचे
मकानों की कतार में कस कर रख दिया।
10-12 फीट की सड़कों के किनारे छह-आठ
मंजिला अपार्टमेंट कैसे बने। यह करप्पान के
जद में नहीं आता है क्या? हर किसी को रांची
में ठिकाना चाहिए। यहीं सच है ना। दो
डिसमिल जमीन ही सही डैम, नदी से सटी हो
या बीच में समायी, चलेगा। और पैसे वालों
के लिए एक नहीं, दो नहीं, पांच-दस फ्लैट।
गलियां संकीर्ण हो जाएं, नालियां और नालों
पर दीवारें खड़ी हो जाएं, धूप, हवा-पानी
रुक जाए कोई फर्क नहीं अलबत्ता।। रांची
शहर के अंदर और आसपास की उन पुरानी
बस्तियों के साथ टोले, मोहल्ले का हाल

आज हम उस दौर में जी रहे हैं जहां
बंदा अपने आपका भी शुभचिंतक
नहीं। उसको जब अपने से काम होता है
तभी वह अपना शुभचिंतक होता है
ठीक भी है, बात बात पर खुद को खु
का शुभचिंतक बनाने में वयों अपना
बेकार का समय नष्ट करना।
इसलिए जब जब जरूरत महसूस
लगे किसी के कुछ देर पहले
शुभचिंतक हो जाइए, और काम हो
जाने के बाद चुपचाप आगे हो जाइए
जो किसी को छलना हो तो किसी का
शुभचिंतक होने से बेहतर और कोई
शस्त्र नहीं। किसी का शुभचिंतक हो
पर किसी पर किया वार अमोघ होता है,
‘इस साहित्य संघ की सदस्यता
लेलो। सबसे पहले तुम्हारे पास ही
आया हूँ। दिन-रात लिखते रहते हो
पर कहीं से एक ऑफ लाइन तो
छोड़ो, ऑनलाइन पुरस्कार तक न
छीन सके। बहुत दया आती है तुम्हारा
लेखन पर। हाय! तुम्हारा बदनसीब

चलस सद्दस्यता आर म गध

बासया

शाहपुर म फारलन काहराम

पठानकाट

कारलन पारयाजना
र का बाजार उद्घेलित

क्याका सवंमान्य जीवन चाहा है। फलहाल एक पूरा बसा बासा वा बाजार कई पाटों में फेसा दिखाई दे रहा है, तो रोप के तर्क व्यापार के फर्ज से टकरा रहे हैं। फोरलेन की मापी गई जमीन उन निशानियों को मिटा रही, जिनके ऊपर आश्रित रोटी-रोजी का कुनबा बसर करता था, लेकिन यहां विस्थापन से मुश्किल प्रश्न आश्वासन का है या उस किंतु-परंतु का भी है जिसके आधार पर समाज, अथारिटी, सरकार व प्रशासन कभी सही व सहमत साबित नहीं हुए। पठानकोट से मंडी को निकले फोरलेन ने कई शहर और शहरों के बाजार बाइपास किए या फ्लाईओवर से गुजरते हुए व्यापार को बख्खा दिया, लेकिन शाहपुर एक अलग उद्धारण बन रहा है, जहां बाजार के सीने से गुजर कर नई मौजिले-नए मुकाम ढूँढ़ जा रहे हैं। ऐसे में जबकि फोरलेन के आगे पीछे से संबंधित सर्वेक्षण हा चुके हैं और रास्ते के पथर, मीलपथर बन चुके हैं, अंदोलनरत व्यापारियों का सामान विचलित है। कम से कम फोरलेन की अंतिम परियोजना बता रही है कि फोरलेन बाहें फैलाए आ रहा है क्योंकि इसका हार चरण अब जुड़ चुका है। हैरानी यह कि जसूर, नगरोला, पपरोला, बैजनाथ, जोगिंदनगर और हर छोटा-बड़ा कस्बा फोरलेन के कोहराम से बच गया, तो शाहपुर क्यों अपनी असमंजस का अवशेष बना। जाहिर है कुछ सहमतियों-असहमतियों के द्वारा में शाहपुर ने न बाइपास चुना और न ही फ्लाईओवर के लिए समय रहते हामी भरी, नतीजतन मौजूदा सर्वेक्षण के आधार पर बाजार और व्यापार को अपना महत्व खोना पड़ रहा है और नौबत अस्तित्व खोने तक पहुंच गई। बेशक मौजूदा विधायक ने फोरलेन के विस्तारित रास्ते पर खड़ी जनापित्यों का साथ दिया है, लेकिन यह संघर्ष शाहपुर की बड़ी वकालत का है। सांसद डा. राजीव भारद्वाज और मुख्यमंत्री सुखबिंदर सुक्रुती की वकालत में शाहपुर की दलील और सुनी जाती हैं, तो बात अलग है, वरना बाजार की मिलकीयत में अंतियां बंटी हुई हैं जिन्होंने बाजार से गुजरने की दलील में कभी दिल्ली फतह की थी, क्या बाजार का वह हिस्सा अब अपने तक बदलेगा या पूरी परियोजना के विकल्प नई निशानदेही करेगे। जो भी हो, शाहपुर में आकर फोरलेन क्यों विधर्वस बन गया, यह सोचने-समझने व नई कार्रवाई को अमलोंजामा पहनाने की कोशिश करने का दावा पेश कर रहा है। बहरहाल फोरलेन गगल एयरपोर्ट की पैमाइश को देखकर भी विश्राम कर रहा है। चंबी से कच्छियारी के बीच फोरलेन की एक हद एयरपोर्ट विस्तार की मीमांसा से नन्ही है, तो दूसरी ओर इसका मिलना मटौर-शिमला फोरलेने के द्वायरे में खड़ा है। बहरहाल शाहपुर आंदोलन का निष्कर्ष यह कि वहां गगल उजड़ने जैसा माहोल बन गया है। या तो नया शाहपुर अब एक नई खोज सरीखा होगा या फोरलेन की चौड़ाई में कई दुकानों के शटर हमेशा के लिए गिर जाएंगे। विधायक के बल दिल्ली सरकार और नितिन गडकरी के दरबार में सही परिप्रेक्ष्य से यह मामला पेश करने की त्वरित जरूरत है।



होमलेन, डिजाइन कैफे का अधिग्रहण करेगी, नए फार्डिंग राउंड में 225 करोड़ जुटाए

रांची(प्रभात मंत्र संवाददाता) : होमविस्टा डेकर एंड फर्नीशिंग प्राइवेट लिमिटेड, जो कि इंटीरियर ब्रांड्स होम इंटीरियर कंपनी, ड्यूअप, क्लूबिंग, और ऐप्पलैप की मूल कंपनी है, ने आज डिजाइन कैफे, जो कि हम इंटीरियर बाजार में एक प्रमुख खिलाड़ी है, का 100% अधिग्रहण करने की अपनी ऐप्पलैप कंपनी की ध्वना की। यह अधिग्रहण, जो कि नियामक अनुमोदनों के अधीन है, भारत में इंटीरियर श्रेणी में सर्वोच्च डिजाइन का नियमण करेगा, जो कि पूर्ण किए गए प्रेजेक्ट्स के संदर्भ में होता है। अधिग्रहण के बाद, संयुक्त इकाई को वितर वर्ष 25 में 1,000 करोड़ के राजस्व को प्राप्त करने के उम्मीद हैं, जो वितर वर्ष 24 में 761 करोड़ रुपये से 33% अधिक है, और EBITDA लाभदायक होगा। होमलेन और डिजाइन कैफे दोनों अलग-अलग ब्रांडों के रूप में काम करना जारी रखेंगे, जिनमें से प्रत्येक लक्षित बाजार के विभिन्न क्षेत्रों को पूरा करेगा विकास और लाभप्रदता को बढ़ावा देने के लिए राजनीतिक तात्पुरता यह अधिग्रहण नियमण, डिजाइन, रखी रखी, और प्रैवीडेंटिव जैसे प्रमुख क्षेत्रों में महत्वपूर्ण तात्पुरता के बिना नहीं है। ये तात्पुरता के लिए परिचालन दक्षता को बढ़ायेंगे जबकि संयुक्त इकाई की ऐप्पलैप क्षेत्रों में नवाचार और ग्राहक संतुष्टि को भी बढ़ावा देंगे। हम अल्पतर उत्साहित हैं और होम इंटीरियर डिजाइन में एक सच्ची शक्ति बनाने के लिए, डिजाइन कैफे की डिजाइन विशेषज्ञता के साथ हमारे तकनीकी-संचालित ट्रॉफिकों को संयोजित करने में अपार संभावनाएं देखते हैं, श्रीकांत अय्यर और नवजुल छाँथी, होमलेन के सह-संस्थानक, ने कहा। संयुक्त इकाई 800 करोड़ के राजस्व एवं एआरआर और -2% EBITDA पर है और हमारी विकास यत्रा में एक महत्वपूर्ण कदम का प्रारंभ है।

आईटीवीआई बैंक ने सुगम ऋण भुगतान योजना

एसयूजीएम किया पैशा

रांची(प्रभात मंत्र संवाददाता) : आईटीवीआई बैंक ने एक विशेष योजना सुगम ऋण भुगतान योजना (सुगम) शुरू की है। इसके अंतर्गत 31 मार्च, 2021 तक 0.10 करोड़ रुपये से अधिक और 10 करोड़ रुपये तक (पात्रा मानदंड के अधीन) की मूल बकाया राशि बाले उत्तरांतरों को अपने प्रत्यक्ष कार्यक्रम से उपलब्ध होती है, ताकि बैंक के रिटेल एप्पलैप की विकासी में तेजी आ सके। यह उन उत्तरांतरों के लिए अनेक कर्ज का निपटन करने का एक सुनहरा अवसर है, जो संकट से जूझ रहे हैं और कानूनी उल्लंघनों में पड़ना नहीं चाहते। इस योजना का विवरण <https://www.idbibank.in/idbi-bank-sugam-rinn-bhugtan-yojana.aspx> पर उपलब्ध है।

राज्य में अल्प संतुष्टक एकत्र लागू करने की मांग : प्राणेश सॉलोमन

रांची(प्रभात मंत्र संवाददाता) : बड़ा घबरा स्थित फेलिसिटी बैंकट हाल में ड्यूरबंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग का एक दिवसीय विचार गोचरी कार्यशाला का आयोजन हुआ। यह सम्पूर्ण राजस्व के क्रियशूल सम्बुद्धय के हजारों लोग शामिल हुए, मुख्य अतिथि अल्पसंख्यक आयोग के मंत्री हफीजुल हसन उपस्थित हुए, कहा कि हेमंत सोरेन को पिर से सीमे बनाने का संकल लेना आवश्यक आयोग मिसनरी कार्यक्रम के लिए राज खुला हुआ है। अपनी समस्या को बेबाक तरीके से रख सकते हैं अल्पसंख्यक के लिए बहुत सारी योजनाएं हैं, मुख्य मंत्री स्वरेजारा योजना से 200 लाख रुपये तक लोन दिया जाता है। इसके साथ ही कब्रिस्तान, मसना के लिए भी धेनाबंदी की जाती है। इस राज्य को संवर्धन के लिए सीमे हेमंत सोरेन को पिर से लाना होगा। ड्यूरबंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग, उत्तरांतर, प्राणेश सॉलोमन (दर्जा-राज्य मंत्री) और अल्प संख्यकों का आयोग, उत्तरांतर, प्राणेश योजना और अल्पसंख्यक संस्थाओं में हो रही समस्या से मंत्री को अवतार कराया गया। अल्पसंख्यक एकत्र लागू होती है। इसके कारण से समाझार का योजना से विचित हो रहे हैं, केवल नियमावली से अल्पसंख्यक स्कूल चल रही है, माइनरिटेज स्कूल में स्कूल का डेस, स्कूल साईकिल नहीं दिया जा रहा है। इसके कारण का पहल किया गया स्थानक क्षेत्र में अल्पसंख्यक मैडिकलों में असुधारणी का एक संकलन विचार सुनिश्चित करने की मांग किया गया। माइनरिटेज कार्लों में पोर्टल के माध्यम से प्रमंडलीय बृशवंतरे रोकने का पहल होना चाहिए, ताकि असापास होने वाले घटनाओं की जानकारी मिलता रहे। माइनरिटेज कॉलेजों के पोर्टल में प्रमंडलीय बृशवंतरे हो रहे हैं। इसे रोकने का प्रयास होना चाहिए, मैके पर संजय फैर्विक कियोग्ना, राकेश, पास्टर जेवियर भौमा, औल छाँटीया क्रियशूल मार्गिनिटिज फॉट के शायी अध्यक्ष कर्मियों, प्रदेश अध्यक्ष कूलभूषण डंगांडा, प्रदेश कोषायक अरुण हांसारा, प्रवीन कच्छवा, मानवल खानापाल, प्रसाद रमेश अमित कुमार खेस, विषाण, मोदियर, प्रोप्रिंसियल फादर, पासर, सूर्योदय सिस्टर व सभी अल्पसंख्यक संस्थानों के प्राचीय स्कूलों के लिए, ताकीनिक संस्थानों व संचालक भौजुद थे।

ई० प्रोक्यूरमेन्ट सेल, कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, भवन नियमांग विभाग, भवन प्रमाण्डल संख्या-02, रॉची अंति अल्पकालिन ई-प्रोक्यूरमेन्ट नोटिस

ई-टेन्डर रेफरेन्स नं-09/2024-25/EE/BCD/DIV-2,RANCHI. दिनांक-25.09.2024

1. कार्य का नाम	Construction of Boundary Wall and Gate, Approach Road, Guard Room in the Campus of JAHB, Pvt. ITI, in Dahu, Ormanjh, Ranchi.
2. प्राकक्षित राशि (₹०)	राशि ₹०, 1,93,21,000/- (एक करोड़ तिरानवे लाख एकविंस हजार) रुपये मात्र।
3. कार्य पूर्ण की अवधि	4 (चार) माह
4. वेबसाइट पर निविदा	04.10.2024 को 11:00 बजे
5. प्रकाशन की तिथि	प्रकाशन की तिथि
6. विड प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि/समय	10.10.2024 को 11:00 बजे तक
7. निविदा खोलने की तिथि/समय एवं स्थान	14.10.2024 को 11:30 बजे नोडल पदाधिकारी, ई० प्रोक्यूरमेन्ट सेल, मुख्य अभियंता का कार्यालय, भवन नियमांग विभाग, लाइन टैक रोड, खारखण्ड, रॉची।
7. प्रोक्यूरमेन्ट पदाधिकारी का सम्पर्क संख्या	6203309676
8. ई-प्रोक्यूरमेन्ट सेल का हेल्पलाइन संख्या	7992430721

9. परिणाम विभाग की राशि घट-वह सकती है तदनुसार अधिकारी की राशि देय होगी।

10. सून्दरी प्रौद्योगिकी एवं ई-प्राप्ति विभाग, खारखण्ड, सरकार के आदेश ज्ञापिक 120 दिनांक 03.10.2023 के द्वारा नियमांग SOP (मानक संचालन प्रक्रिया) एवं भवन नियमांग विभाग, खारखण्ड, सरकार के प्राप्तक 2229 दिनांक 06.10.2023 के आलोक में नियमांग सुल्क एवं अंग्रेजी को लाइन एप्पलैप के द्वारा नियमांग विभाग होगी।

11. नियमांग शुल्क एवं अंग्रेजी की राशि को ई-भुगतान विभाग संख्या से किया जायेगा, SOP के तहत अधिकारी की राशि उसी खाते में वास्तव होगी। अगर खाता को बदल कर दिया जाता है तो उसकी संख्या ज्ञापिये नीति नियमांग विभाग की होगी।

• अन्य विस्तीर्णी भौजों के बदलाव की राशि देखा जा सकता है।

<http://jharkhandtenders.gov.in> पर देखा जा सकता है।

Note: UCAN Registration is mandatory for the Bidders.

कार्यपालक अभियंता भवन नियमांग विभाग,

भवन प्रमाण्डल संख्या-02, रॉची।

PR 337071 Building(24-25)D

प्रभात मंत्र संवाददाता

रांची(प्रभात मंत्र संवाददाता) : होमविस्टा डेकर एंड फर्नीशिंग प्राइवेट लिमिटेड, जो कि इंटीरियर ब्रांड्स होम इंटीरियर कंपनी, ड्यूअप, क्लूबिंग, और ऐप्पलैप की मूल कंपनी है, ने आज डिजाइन कैफे, जो कि पूर्ण किए गए प्रेजेक्ट्स के संदर्भ में होता है। अधिग्रहण के बाद, संयुक्त इकाई को वितर वर्ष 25 में 1,000 करोड़ के राजस्व को प्राप्त करने के उम्मीद हैं, जो वितर वर्ष 24 में 761 करोड़ रुपये से 33% अधिक है, और EBITDA लाभदायक होगा। होमलेन और डिजाइन कैफे दोनों अलग-अलग ब्रांडों के रूप में काम करना जारी रखेंगे, जिनमें से प्रत्येक लक्षित बाजार के विभिन्न क्षेत्रों को पूरा करेगा विकास और लाभप्रदता को बढ़ावा देने के लिए राजनीतिक तात्पुरता यह अधिग्रहण नियमण, डिजाइन, रखी रखी, और प्रैवीडेंटिव जैसे प्रमुख क्षेत्रों में महत्वपूर्ण तात्पुरता के बैठक विकास और लाभप्रदता को बढ़ावा देने के लिए राजनीतिक तात्पुरता है। ये तात्पुरता के लिए विकास और लाभप्रदता को बढ़ावा देने के लिए राजनीतिक तात्पुरता है। अगर खाता को बदल कर दिया जाता है तो उसकी संख्या ज्ञापिये नीति नियमांग विभाग की होगी।

http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

Note: UCAN Registration is mandatory for the Bidders.

कार्यपालक अभियंता भवन नियमांग विभाग,

भवन प्रमाण्डल संख्या-02, रॉची।

PR 337071 Building(24-25)D

प्रभात मंत्र संवाददाता

रांची(प्रभात मंत्र संवाददाता) : होमविस्टा डेकर एंड फर्नीशिंग प्राइवेट लिमिटेड, जो कि इंटीरियर ब्रांड्स होम इंटीरियर कंपनी, ड्यूअप, क्लूबिंग

